कावेरी जल-विवाद: CWRC का कर्नाटक को 15 दिन तक 3,000 क्यूसेक प्रवाह का निर्देश

प्रारंभिक परीक्षा – अभ्यास प्रश्न | समाचार संदर्भ: 24 अक्टूबर 2026 | प्रकाशित: 27 अक्टूबर 2026



मौलिक प्रतीकात्मक चित्र: pcsmantra.com

खबरों में क्यों

कावेरी जल विनियमन समिति (CWRC) ने कर्नाटक को 24 अक्टूबर 2026 की सुबह 8 बजे से 15 दिनों तक बिलिगुंडलू पर 3,000 क्यूसेक की दर से जल-प्रवाह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। तमिलनाडु की कहीं ऊँची माँग स्वीकार नहीं की गई। द हिंदू की रिपोर्ट के अनुसार कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण (CWMA) ने अपनी 60वीं बैठक में, CWRC की 145वीं बैठक के बाद, इस निर्णय का समर्थन किया।

मुख्य तथ्य

- **तमिलनाडु की माँग:** अगले 15 दिनों में 18.402 tmcft, जिसमें 13.829 tmcft का दावा किया गया बकाया शामिल था। यह माँग लगभग 14,236 क्यूसेक प्रतिदिन के बराबर बैठती थी।
- **CWRC का निर्देश:** 3,000 क्यूसेक की दर, जो 15 दिनों में 3.88 tmcft के बराबर है।
- **कर्नाटक का पक्ष:** राज्य के अनुसार चार कावेरी-बेसिन जलाशयों में इस वर्ष 122.293 tmcft आवक हुई, जबकि 30 वर्षों का औसत 273.865 tmcft है। यानी 55.35% की कमी। राज्य के 240 में से 226 तालुक सूखा-प्रभावित घोषित हैं, और कावेरी बेसिन के 56 में से 55।
- **कर्नाटक का दावा, अधिक जल छोड़ा:** 29 जुलाई से 22 अक्टूबर के बीच निर्धारित 45.231 tmcft के मुकाबले दर्ज प्रवाह 47.092 tmcft रहा, यानी 1.861 tmcft अधिक। इसी आधार पर उसने बकाये के लिए अतिरिक्त जल की माँग ठुकराई।

- **कर्नाटक का भंडारण-तर्क:** 22 अक्टूबर को जलाशयों का संयुक्त जीवित भंडारण 46.510 tmcft था। कुल अनुमानित उपलब्धता 55 tmcft में से लगभग 43 tmcft पेयजल और अन्य प्राथमिकताओं के लिए चाहिए, जिससे लगभग 12 tmcft बचता है।
- **तमिलनाडु का पक्ष:** मेट्टूर जलाशय में भंडारण 20.887 tmcft है। उसने डेल्टा के किसानों पर असर बताया और 46.98% के आनुपातिक (pro-rata) साझेदारी-कारक से निकाले गए 13.829 tmcft बकाये की तत्काल रिहाई माँगी।
- **कर्नाटक का जवाबी तर्क:** मेट्टूर, भवानी और अमरावती जलाशयों में तमिलनाडु के पास कुल 29.377 tmcft उपलब्ध है। 1 से 21 अक्टूबर के बीच तमिलनाडु के 13 जिलों में वर्षा सामान्य से 112% अधिक रही, और उत्तर-पूर्व मानसून से आवक और सुधर सकती है। तमिलनाडु ने कहा कि अनुमानित वर्षा उसके हिस्से का विकल्प नहीं हो सकती, क्योंकि भविष्य की वर्षा अनिश्चित है।

ध्यान दें: आँकड़े और दावे रिपोर्ट के अनुसार संबंधित राज्यों के हैं। कर्नाटक के तर्क और तमिलनाडु के तर्क अलग-अलग पक्षों के हैं, स्वतंत्र रूप से सत्यापित तथ्य नहीं।

परीक्षा की दृष्टि से

प्रारंभिक: CWRC और CWMA की भूमिका, कावेरी बेसिन के जलाशय, बिलिगुंडलू, अंतर-राज्यीय जल-विवाद।

मुख्य परीक्षा (GS-1 नदी-तंत्र, GS-2 अंतर-राज्यीय संबंध और संघवाद): संकट-वर्ष में जल-साझेदारी का सूत्र, आनुपातिक साझेदारी, जल-लेखा की पारदर्शिता और अंतर-राज्यीय नदी-विवादों का संस्थागत समाधान।

मुख्य परीक्षा अभ्यास प्रश्न

संकट-वर्ष में अंतर-राज्यीय नदी-जल की साझेदारी को लेकर उठने वाले विवादों के समाधान में CWRC और CWMA जैसे संस्थागत तंत्रों की भूमिका और सीमाओं का मूल्यांकन कीजिए। हाल के कावेरी प्रकरण के संदर्भ में चर्चा कीजिए। (250 शब्द)

उत्तर की रूपरेखा:

भूमिका में: संकट-वर्ष में CWRC का 24 अक्टूबर 2026 की सुबह से 15 दिनों तक बिलिगुंडलू पर 3,000 क्यूसेक प्रवाह सुनिश्चित करने का निर्देश और CWMA की 60वीं बैठक का समर्थन रखें; तमिलनाडु की ऊँची माँग स्वीकार न होना जोड़ें।

मुख्य भाग में: संस्थागत तंत्रों की भूमिका बताएँ - तमिलनाडु की 18.402 tmcft (लगभग 14,236 क्यूसेक प्रतिदिन) माँग के मुकाबले 3.88 tmcft का संयत निर्देश। सीमाएँ दोनों पक्षों के दावों से दिखाएँ - कर्नाटक: 30-वर्षीय औसत से 55.35% कम आवक, 240 में से 226 तालुक सूखा-प्रभावित, निर्धारित से 1.861 tmcft अधिक जल छोड़ने और लगभग 12 tmcft शेष बचने का भंडारण-तर्क; तमिलनाडु: मेट्टूर में 20.887 tmcft भंडारण, 46.98% आनुपातिक कारक से 13.829 tmcft बकाये की माँग और अनुमानित वर्षा को हिस्से का विकल्प न मानने का तर्क। यह भी बताएँ कि ये आँकड़े संबंधित राज्यों के दावे हैं, स्वतंत्र रूप से सत्यापित नहीं।

निष्कर्ष में: जल-लेखा की पारदर्शिता, आनुपातिक साझेदारी के स्पष्ट सूत्र और अंतर-राज्यीय नदी-विवादों के संस्थागत समाधान को मज़बूत करने की ज़रूरत पर निष्कर्ष दें।

स्रोत और सीमाएँ

- The Hindu, 24 अक्टूबर 2026 (पढ़ा): Cauvery panel directs Karnataka to release water at the rate of 3,000 cusecs to Tamil Nadu for next 15 days

- **सीमाएँ:** सभी तथ्य इसी रिपोर्ट पर आधारित हैं। हमने CWRC या CWMA के आधिकारिक कार्यवृत्त को सीधे नहीं देखा। आँकड़े संबंधित राज्यों द्वारा प्रस्तुत बताए गए हैं।

प्रिलिम्स परीक्षा अभ्यास प्रश्न

1. CWRC ने कर्नाटक को बिलिगुंडलू पर किस दर से जल-प्रवाह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया?

(a) 3,000 क्यूसेक, 15 दिनों के लिए

(b) 14,236 क्यूसेक, 15 दिनों के लिए

(c) 3,000 क्यूसेक, 30 दिनों के लिए

(d) 13,829 क्यूसेक, 15 दिनों के लिए

उत्तर और कारण देखें

उत्तर: (a)। 14,236 क्यूसेक तमिलनाडु की माँग के बराबर की दर थी, जिसे CWRC ने नहीं माना।

2. कर्नाटक के तर्कों के संदर्भ में कौन-सा कथन सही है?

(a) चार बेसिन जलाशयों में आवक 30-वर्षीय औसत से लगभग 55% कम बताई गई

(b) चार बेसिन जलाशयों में आवक 30-वर्षीय औसत से 55% अधिक बताई गई

(c) राज्य ने माना कि उसने निर्धारित से कम जल छोड़ा

(d) राज्य ने तमिलनाडु का पूरा बकाया देने की सहमति दी

उत्तर और कारण देखें

उत्तर: (a)। कर्नाटक के अनुसार आवक 122.293 tmcft रही, जो 273.865 tmcft के औसत से 55.35% कम है। उसने यह भी कहा कि उसने निर्धारित से अधिक जल छोड़ा।

3. रिपोर्ट में बताए गए घटनाक्रम के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

I. CWMA ने CWRC के निर्देश का समर्थन किया।
II. तमिलनाडु ने अपनी माँग में 13.829 tmcft के दावा किए गए बकाये को शामिल किया था।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?

(a) केवल I
(b) केवल II
(c) I और II दोनों
(d) न I, न II

उत्तर और कारण देखें

उत्तर: (c) I और II दोनों। रिपोर्ट के अनुसार CWMA ने अपनी 60वीं बैठक में निर्देश का समर्थन किया, और तमिलनाडु की 18.402 tmcft की माँग में 13.829 tmcft का दावा किया गया बकाया शामिल था।

अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न (FAQ)

संक्षिप्त उत्तर: कावेरी पर जल-प्रवाह निर्देश और दोनों राज्यों के दावे अलग-अलग आधार पर पढ़ने चाहिए।

प्रश्न: CWRC ने कितने जल-प्रवाह का निर्देश दिया?

24 अक्टूबर 2026 की सुबह 8 बजे से 15 दिनों तक 3,000 क्यूसेक का निर्देश दिया गया। प्रवाह बिलिगुंडलू पर सुनिश्चित करना था।

प्रश्न: तमिलनाडु की माँग निर्देश से कैसे अलग थी?

तमिलनाडु ने अगले 15 दिनों में 18.402 tmcft माँगा था। इसमें उसका दावा किया गया 13.829 tmcft बकाया शामिल था।

प्रश्न: भविष्य की वर्षा पर तमिलनाडु का तर्क क्या था?

तमिलनाडु ने कहा कि अनुमानित वर्षा उसके हिस्से के जल का विकल्प नहीं हो सकती। उसका तर्क था कि भविष्य की वर्षा अनिश्चित है।